an>

Title: Need to include Bhar/Rajbhar castes in Scheduled Castes list.

श्री हरिनरायन राजभर (घोसी) : मैं सरकार के संज्ञान में बहुत ही महत्वपूर्ण विषय लाना चाहता हूं। मैं जिस जाति (भर/राजभर) से हूँ। यह जाति वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश में पिछड़ी जाति में है किन्तु हमारी जाति ने ब्रिटिश शासन काल में जुल्म एवं अन्याय के विरूद्ध लड़ाई लड़ी जिसके परिणामस्वरूप ब्रिटिश हुकूमत ने इस जाति को क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट में निरूद्ध कर दिया एवं तरह-तरह की यातनाएँ दी गई। परंतु स्वतंत्र भारत की प्रथम सरकार ने 1949 में आयोग गठन कर डिनोटीफाइड ट्राइब्स (विमुक्ति जाति) में परिवर्तित कर दिया गया एवं 1962 में विमुक्त जातियों को भारत सरकार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में भर/राजभर सहित 19 जातियों को अनुसूचित जाति की सूची में डाल दिया गया किंतु बाद में साजिश के तहत भर/राजभर को पिछड़ी जाति का प्रमाण पत्र जारी किया जाने लगा जो न्यायसंगत नहीं है। उत्तर प्रदेश में इस जाति की स्थिति अत्यंत ही दयनीय है। शिक्षा का स्तर शून्य के बराबर है जिसके कारण उत्तर प्रदेश की विभिन्न सरकारों ने अनेकों बार भारत सरकार से इस जाति को अनुसूचित जाति में सम्मिलित करने हेतु आग्रह किया है।

मैं यह मांग करता हूं कि भर/राजभर के विकास एवं उत्थान के लिए अनुसूचित जाति में सम्मिलित करने की कृपा करें।